



aasheesh



aarti

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121700401

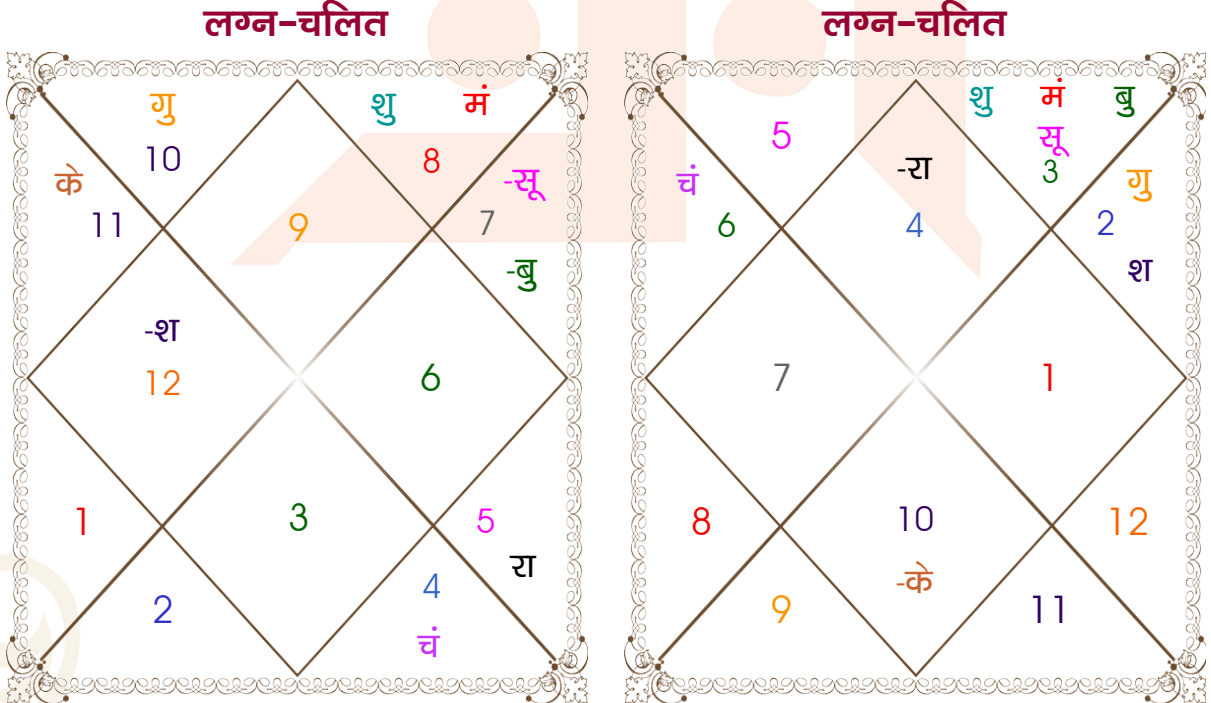
पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
24/10/1997 :	जन्म तिथि	: 08/07/2000
शुक्रवार :	दिन	: शनिवार
घंटे 12:32:00 :	जन्म समय	: 07:45:00 घंटे
घटी 14:56:30 :	जन्म समय(घटी)	: 05:49:04 घटी
India :	देश	: India
Hamirpur :	स्थान	: Una
31:38:00 उत्तर :	अक्षांश	: 31:28:00 उत्तर
76:36:00 पूर्व :	रेखांश	: 76:19:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:36 :	स्थानिक संस्कार	: -00:24:44 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:33:23 :	सूर्योदय	: 05:26:54
17:41:57 :	सूर्यास्त	: 19:32:27
23:49:30 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:51:36
धनु :	लग्न	: कर्क
गुरु :	लग्न लग्नाधिपति	: चन्द्र
कर्क :	राशि	: कन्या
चन्द्र :	राशि-स्वामी	: बुध
आश्लेषा :	नक्षत्र	: हस्त
बुध :	नक्षत्र स्वामी	: चन्द्र
1 :	चरण	: 3
शुभ :	योग	: परिघ
गर :	करण	: विष्टि
डी-डीगेश्वर :	जन्म नामाक्षर	: ण--
वृश्चिक :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कर्क
विप्र :	वर्ण	: वैश्य
जलचर :	वश्य	: मानव
मार्जार :	योनि	: महिष
राक्षस :	गण	: देव
अन्त्य :	नाड़ी	: आद्य
श्वान :	वर्ग	: श्वान

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 13वर्ष 7मा 18दि	24:56:27	धनु	लग्न	कर्क	20:32:12	चन्द्र 4वर्ष 9मा 4दि
शुक्र	07:04:45	तुला	सूर्य	मिथु	22:22:20	राहु
13/06/2018	19:18:20	कर्क	चंद्र	कन्या	16:59:05	12/04/2012
13/06/2038	24:20:15	वृश्चि	मंगल	मिथु	20:29:19	12/04/2030
शुक्र 13/10/2021	13:56:20	तुला	बुध व	मिथु	19:51:07	राहु 24/12/2014
सूर्य 13/10/2022	18:41:38	मक	गुरु	वृष	07:43:48	गुरु 18/05/2017
चन्द्र 13/06/2024	23:37:09	वृश्चि	शुक्र	मिथु	29:41:48	शनि 24/03/2020
मंगल 13/08/2025	21:59:18	मीन व	शनि	वृष	03:30:40	बुध 12/10/2022
राहु 12/08/2028	25:09:33	सिंह	राहु	कर्क	00:48:24	केतु 30/10/2023
गुरु 13/04/2031	25:09:33	कुंभ	केतु	मक	00:48:24	शुक्र 30/10/2026
शनि 13/06/2034	10:57:10	मक	हर्ष व	मक	26:14:31	सूर्य 24/09/2027
बुध 13/04/2037	03:25:10	मक	नेप व	मक	11:50:38	चन्द्र 25/03/2029
केतु 13/06/2038	10:20:59	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	16:46:33	मंगल 12/04/2030

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

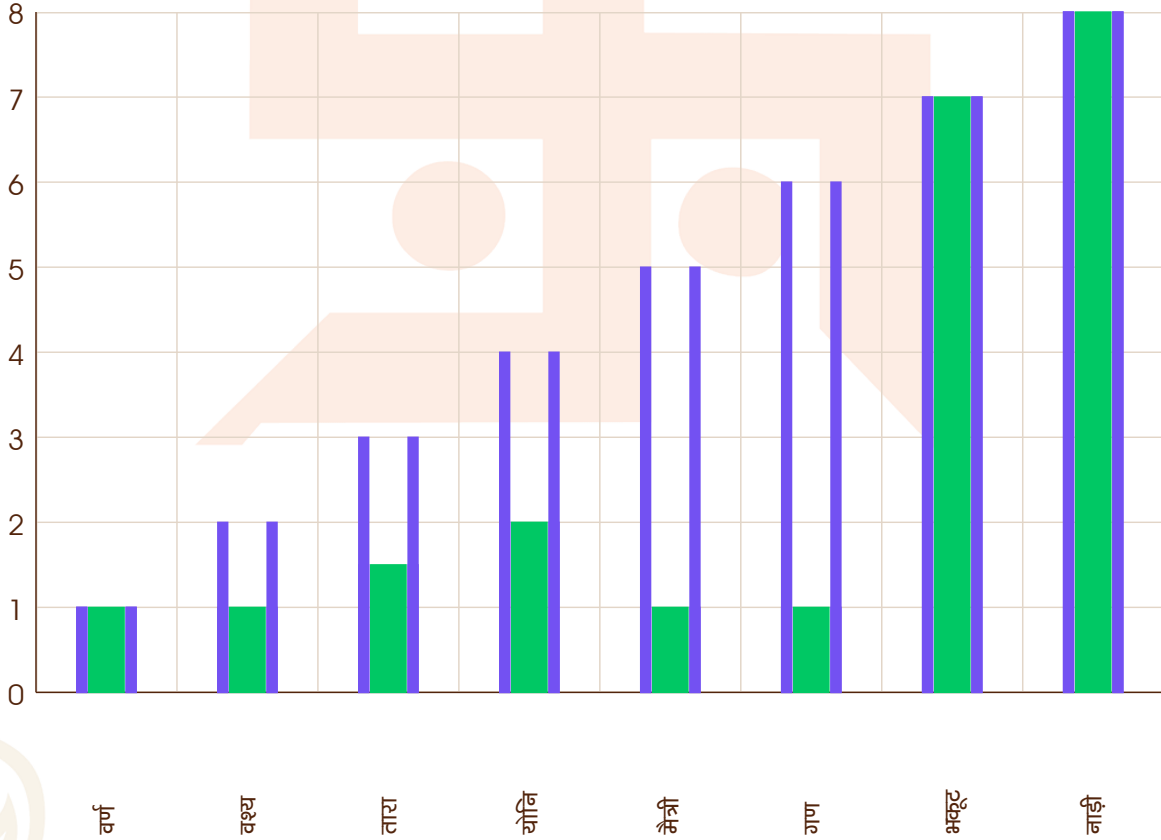
23:49:30 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:36



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	बुध	5	1.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

कुल : 22.5 / 36



अष्टकूट मिलान

aasheesh का वर्ग श्वान है तथा aarti का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार aasheesh और aarti का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

aasheesh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना ।

द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना ।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल aasheesh कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढष्ट;डडमंगंवूदकमइ;0द्धत्र।द्धइ क्योंकि मंगल aasheesh कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

aarti मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना ।

द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना ।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल aarti कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि aarti कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

aasheesh तथा aarti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



अष्टकूट फलादेश

वर्ण

aasheesh का वर्ण ब्राह्मण तथा aarti का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। aarti सदैव अपने पति तथा घर में बड़ों का सम्मान करेगी तथा उनकी आज्ञा का पालन करती रहेगी। aarti मितव्ययी होंगी तथा बचत करके पैसे को लाभदायक उपादानों में निवेश करती रहेगी।

वश्य

aasheesh का वश्य जलचर है एवं aarti का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीं कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरों पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनों बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीं रहेगा। इस स्थिति में aarti अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी कि aasheesh उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवं समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

तारा

aasheesh की तारा साधक तथा aarti की तारा प्रत्यरि है। aarti की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह aasheesh एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। aarti का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य में अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही aarti के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। aasheesh अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

aasheesh की योनि मार्जार है तथा aarti की योनि महिष है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में

दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में aasheesh से aarti का राशि स्वामी मित्र है। परन्तु aarti से aasheesh का राशि स्वामी शत्रु है अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। इनके कुंडली मिलान में aasheesh का राशि स्वामी aarti के राशि स्वामी को मित्र समझता है इसलिये ऐसी स्थिति में aasheesh तो aarti को खूब प्यार करने वाले तथा ख्याल रखने वाले होंगे किंतु दूसरी ओर aarti उग्र, अविश्वासी एवं धोखेबाज हो सकती है जिसके कारण वह अपने पति से झगड़ा करने का कोई मौका नहीं गंवायेंगी तथा परिवार में अक्सर तनाव की स्थिति बनी रहेगी।

गण

aasheesh का गण राक्षस तथा aarti का गण देव है। अर्थात् aarti का गण aasheesh के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण aasheesh निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही aasheesh का aarti के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। aarti हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

aasheesh से aarti की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा aarti से aasheesh की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण aasheesh अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर aarti सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

नाड़ी

aasheesh की नाड़ी अन्त्य है तथा aarti की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। aasheesh की अन्त्य नाड़ी तथा aarti की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।



मेलापक फलित

स्वभाव

aasheesh की जन्म राशि कर्क तथा aarti की जन्मराशि भूमितत्व युक्त कन्या राशि है। नैसर्गिक रूप से जल एवं भूमि तत्व के मध्य समता तथा मित्रता का भाव रहता है। अतः aasheesh और aarti के मध्य स्वाभाविक समानता रहेगी जिससे जीवन में मधुरता बनी रहेगी। अतः यह मिलान अच्छा रहेगा।

aasheesh की जन्म राशि का स्वामी चन्द्र तथा aarti की राशि का स्वामी बुध परस्पर मित्र एवं शत्रु राशि में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से यदा कदा परस्पर मतभेद उत्पन्न होंगे तथा एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करके कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे आपस में विवाद एवं वैमनस्य होगा जिसका प्रभाव सुखी दाम्पत्य जीवन पर होगा। अतः यदि aasheesh और aarti परस्पर सामंजस्य एवं शांति पूर्वक समस्याओं का समाधान करें तो उपरोक्त प्रभावों में कमी हो सकती है।

aasheesh की जन्म राशि तथा aarti की जन्म राशि एक दूसरे की राशि से तृतीय एकादश में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से इनके आपसी संबंधों में प्रगाढ़ता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति सहयोग, आकर्षण एवं सहानुभूति का भाव रहेगा जिससे अशुभ प्रभावों में कमी होगी तथा शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक अपने कार्य कलापों को पूर्ण करने में समर्थ होंगे।

aasheesh का वश्य जलचर तथा aarti का वश्य मानव है। मानव एवं जलचर की स्वाभाविक विषमता के कारण इनकी अभिरुचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विषमता दृष्टि गोचर होगी। साथ ही एक दूसरे को काम भावनाओं में प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ होंगे जिससे मानसिक परेशानी रहेगी।

aasheesh का वर्ण ब्राह्मण तथा aarti का वर्ण वैश्य है। अतः aasheesh की रुचि शैक्षणिक धार्मिक तथा ज्यौतिष संबंधी विषयों पर रहेगी लेकिन aarti की प्रवृत्ति धनार्जन में अधिक होगी तथा व्यापारिक बुद्धि से अपने कार्यों को सम्पन्न करेंगी।

धन

aasheesh और aarti की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। aasheesh और aarti की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उनकी आय में नित्य वृद्धि होगी जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगा। अतः धनार्जन होता रहेगा।

aarti एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना होगी। यह लाटरी या सट्टे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता है। साथ ही पैतृक

सम्पति या जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

aasheesh अन्त्य तथा aarti आद्य नाड़ी में उत्पन्न हुए हैं। अतः विभिन्न नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे जिससे गंभीर शारीरिक समस्या उत्पन्न नहीं होगी परन्तु मंगल का aasheesh और aarti दोनों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव रहेगा। इसके प्रभाव से aarti गुप्त या धातु संबंधी रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगी। साथ ही aasheesh को हृदय रोग संबंधी परेशानियां होगी एवं संभोग शक्ति में शिथिलता की अनुभूति करेंगे जिससे दाम्पत्य सुख में न्यूनता की अनुभूति होगी। अतः इन दुष्प्रभावों में कमी करने के लिए aasheesh और aarti दोनों को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से aasheesh और aarti को उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगा तथा कन्या संतति की अपेक्षा पुत्र संतति अधिक रहेगी।

प्रसव संबंधी कष्ट के लिए आप को किसी भी प्रकार की चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं है। इनका प्रसव सामान्य रूप से सम्पन्न होगा तथा इससे संबंधित कोई भी समस्या नहीं होगी। aarti सुंदर एवं स्वस्थ बच्चों को जन्म देंगी तथा स्वयं भी पूर्ण रूपेण स्वस्थता की अनुभूति करेंगी। इससे aasheesh और उसके परिवार के सभी सदस्य प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

aasheesh और aarti की संततियां व्यवहारकुशल एवं माता पिता के लिए आज्ञाकारी रहेंगी तथा अपने बच्चों की प्रगति से दोनों सन्तुष्टि एवं आनंद की अनुभूति करेंगे। साथ ही कार्य क्षेत्र में भी वे स्वपरिश्रम योग्यता एवं बुद्धिमत्ता से उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होंगे। उनके उत्कृष्ट कार्य कलापों से aasheesh और aarti अपने आप को भाग्यशाली समझेंगे। इनकी संततियां कभी भी उनकी इच्छा के विपरीत कोई भी कार्य नहीं करेंगी जिससे माता पिता को उन पर गर्व रहेगा। इस प्रकार सुंदर, आज्ञाकारी एवं बुद्धिमान संतति से युक्त होकर aasheesh और aarti का पारिवारिक जीवन सुख शांति एवं आनंद से व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

aarti के सास से प्रायः अच्छे संबंध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत aarti के लिए अनुकरणीय हो सकते हैं। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

aarti अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबंध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल

रहेंगी।

इस प्रकार aarti के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

aasheesh के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को aasheesh अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी aasheesh के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण aasheesh के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।